# मूंद साथिर

एक चित्रकथा
गोंडी भाषा में

गोंडी

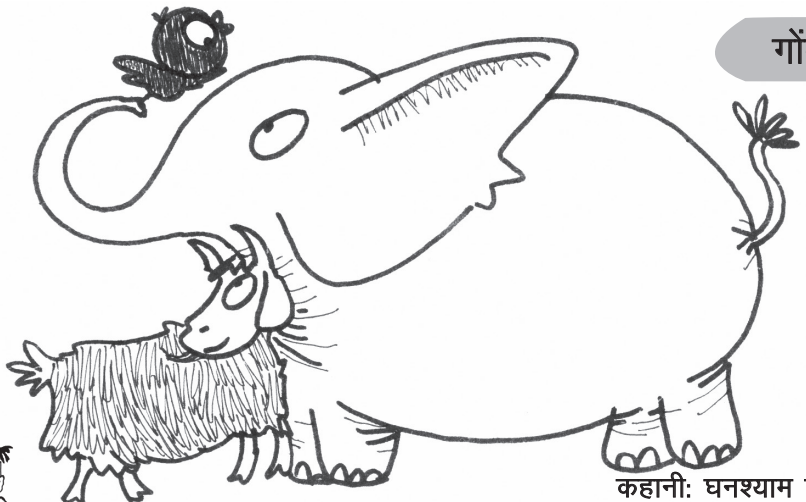

कहानी: घनश्याम तिवारी

चित्र: सौम्या मेनन

एकलव्य

**मूंद साथिर**
तीन साथी (गोंडी)
TEEN SATHI (GONDI)

कहानी: घनश्याम तिवारी
चित्र: सौम्या मेनन

हिन्दी से गोंडी अनुवाद: राजेश परते, उर्मिला तेकाम, दुर्गा, नेहा वाड़िवा
संयोजन: आकाश मालवीय, अशोक हनोते, हेमराज मालवीय, खेमप्रकाश यादव, निदेश सोनी, राजेन्द्र देशमुख, सुनील हनोते
सम्पादकीय व उत्पादन सहयोग: अपूर्वा राजे, इन्दु श्रीकुमार व कमलेश यादव

दूरबीन एचटी पारेख फाउंडेशन के वित्तीय सहयोग से विकसित
यह किफायती संस्करण हिन्दी व कोरकू में भी उपलब्ध है।

पहला संस्करण: मार्च 2024 (2000 प्रतियाँ)
कागज़: 100 gsm नेचुरल शेड मेपलिथो पर प्रकाशित
ISBN: 978-81-19971-61-5
मूल्य: ₹ 10.00

प्रकाशक: एकलव्य फाउंडेशन
जमनालाल बजाज परिसर,
जाटखेड़ी, भोपाल - 462 026 (मप्र)
फोन: +91 755 - 297 7770, 71, 72
www.eklavya.in/books@eklavya.in

मुद्रक: आर के सिक्युप्रिंट प्रा लि, भोपाल फोन: +91 755 2687 589

उंदी मत्तोल हाथी ।

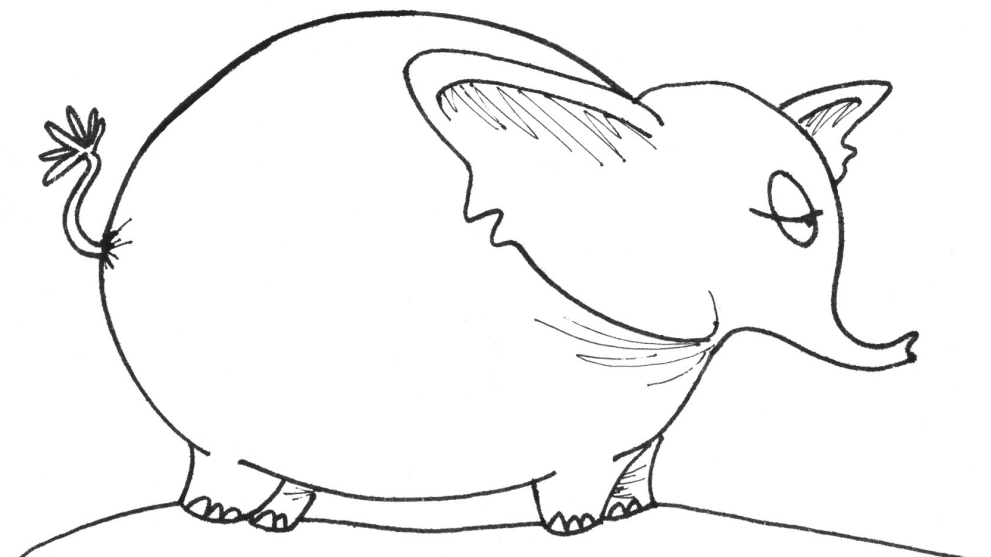

ओना दोस्त मत्ता ऐटी ।

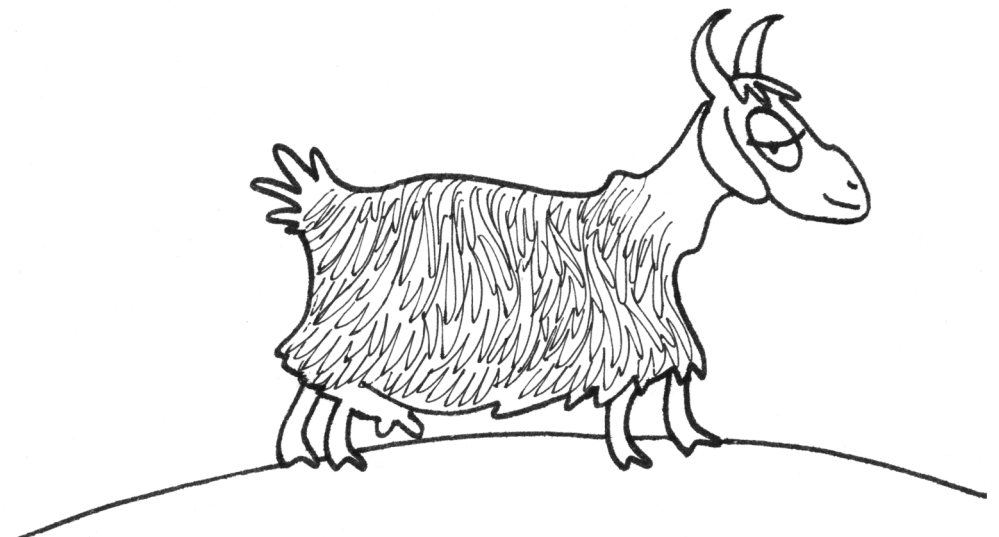

रंटेक संगने-संगने डन्गुर हंदूर ।

हाथी डगान झुकीक्यातोल उंडे ऐटी आकी तिन्ता ।

उंदी दिना रंटे हत्तूर डन्गुर ।

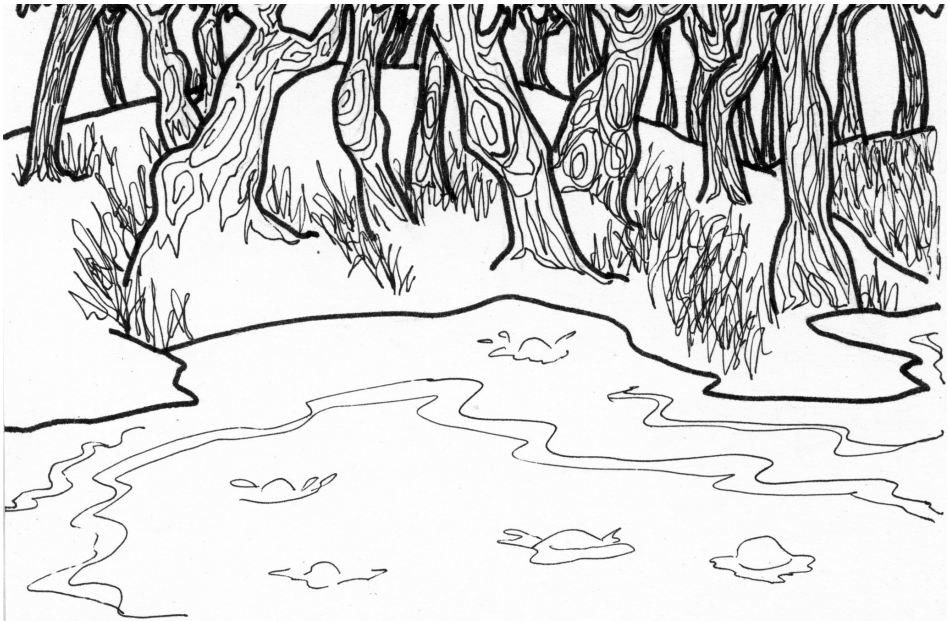

अगा उंदी तलाव दीसतू ।

अगा उंदी रेंगा ता मड़ा मत्ता ।

हाथी मड़ा हलीकीतुल, ऐटी खटा - खट रेंगा तिन्दालात ।

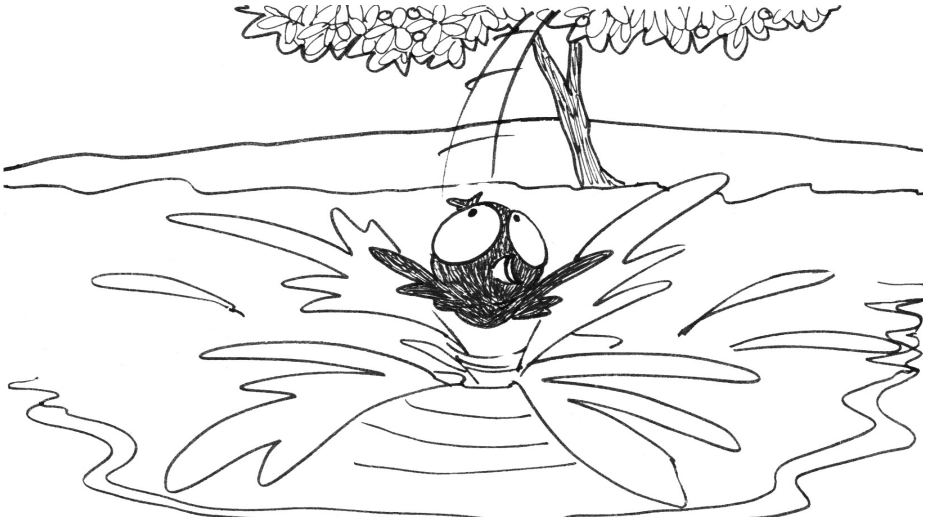

अज्जेदई मड़ा तल पिट्टे त उंदी छव्वा येर ते अरतु ।

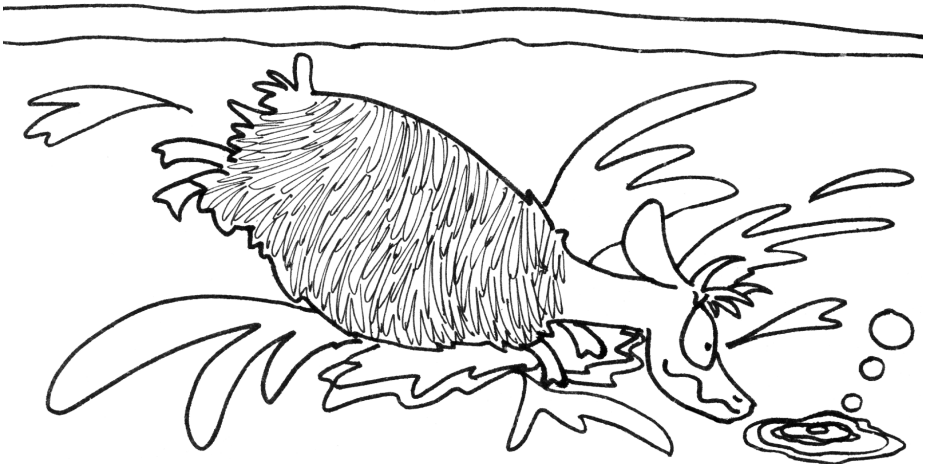

ऐटी अदेन बचीक्याले हत्तु ते अद भी मुरुंगीलात ।

हाथी रंटेनुंग बहारो टंडतुल ।
कुछ दिना ने पिट्टे ता छव्वा फड़ा आसेत ।

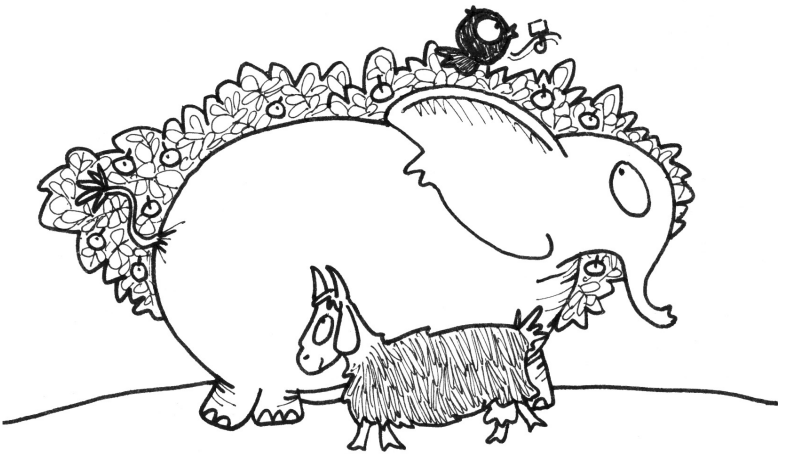

पिट्टे मड़ा ते, हाथी उंडे ऐटी मड़ा ता नीचो मन्दुंग ।

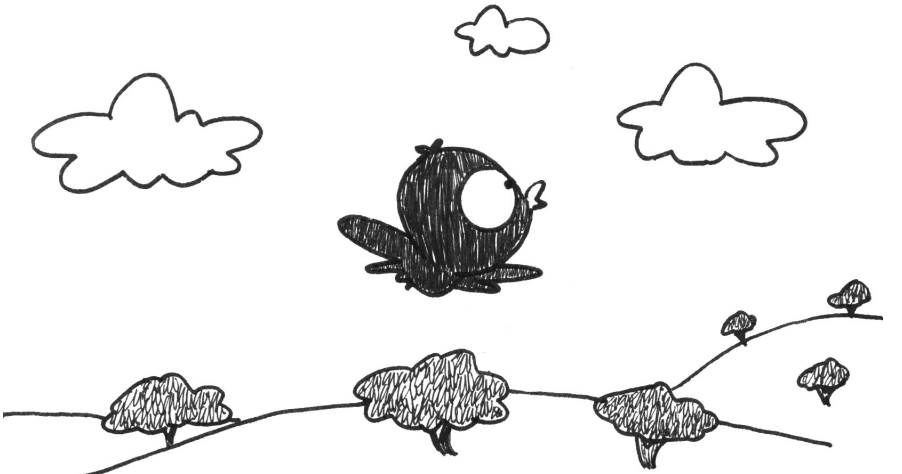

पिट्टे फुरीसिकुन पता लक्कीन्द की बेगा - बेगा फल्क लाकतांग ।

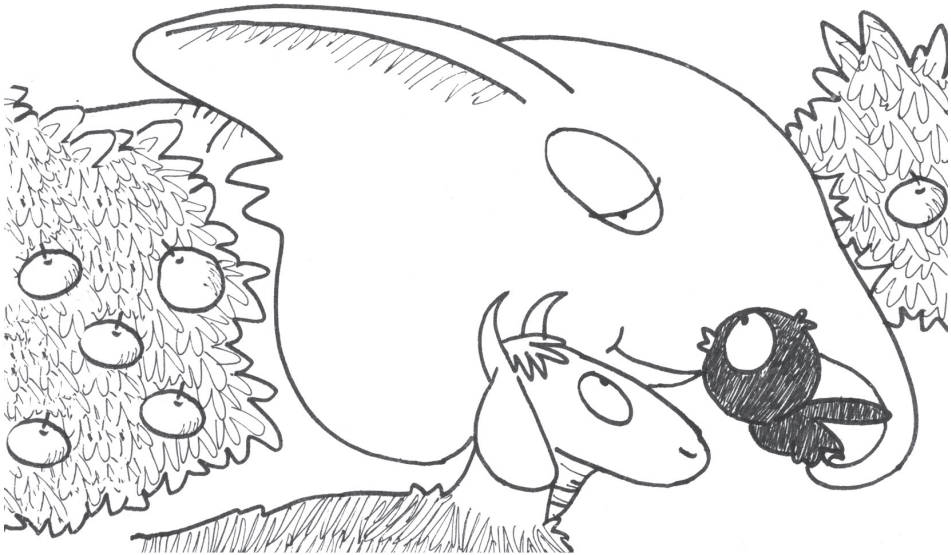

दूरbeen
Read·Imagine·Explore
AN INITIATIVE OF H T PAREKH FOUNDATION

एकलव्य

मध्य प्रदेश में बैतूल क्षेत्र में बोली जाने वाली गोंडी भाषा पर आधारित

मूल्य: ₹ 10.00

ISBN: 978-81-19971-61-5